Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 32 , 26 अक्टुबर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

बेरहम पिता ने तीन हमारी कार्य पद्धति ऐसी हो कि मिसाल बने : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों से कहा है कि वह जनता की समस्याओं के निपटारे में व्यक्तिगत तौर पर रुचि लें। हम लोगों की कार्य पद्धिति ऐसी हो कि विश्व स्तर पर मिसाल कायम हो। सीएम ने यह बात मंगलवार देर रात अहम विभागों के अपर मुख्य सचिवों के साथ हुई बैठक में कही। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं का समय से निपटारा कराया जाए। सभी सरकारी योजनाओं में गरीबों का विशेष ख्याल रखा जाए। बैठक में मुख्य सचिव राजीव कुमार, अपर मुख्य सचिव अनूप चंद्र पांडेय, दीपक त्रिवेदी, सदाकांत, संजय अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव शशि प्रकाश गोयल समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

अंधाधुंध गोली चलाकर उतारा मौत के घाट

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कृष्ण नगर थाना इलाके में मंगलवार अंधाधुंध फायरिंग में एक शख्स की मौके पर ही मौत हो गई । मृतक की पहचान ब्रह्मपुरी निवासी जफ कुरैशी के रूप में हुई। मृतक ओल्ड सीलमपुर में प्रॉपर्टी और स्क्रैप का काम करता था। पुलिस के मुताबिक जफ कुरैशी अपनी दुकान के बाहर बैठा था। तभी बाइक पर सवार होकर दो युवक आए और अचानक जफ पर गोलियां चला दी। इस दौरान चली नौ गोलियों ने जफ को अपना निशाना बना डाला जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान चोली चलने की आवाज सुनकर इलाके में अफरा तफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। बाद में मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह भेज दिया।

पत्नी से परेशान युवक ने दी जान

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में एक युवक कथित रूप से पत्नी से परेशान होकर फंदा लगा जान दे दी। पीड़ित की मौत के बाद परिजनों ने उसका शव अस्पताल के बाहर रखकर धरना- प्रदर्शन करते हुए न्याय की मांग की। परिजनों ने आरोप लगाया कि अगर पुलिस उनकी शिकायतें गंभीरता से लेती तो शायद युवक जिंदा होता। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृतक का नाम जसबीर सिंह है। प्राइवेट नौकरी करने वाला जसबीर की शादी इसी साल सात जुलाई को हुई थी। मृतक के परिजनों के मुताबिक उनको नहीं पता था कि जिस युवती से जसबीर की शादी हुई थी वह पहले से शादीशुदा है और उसको एक बेटा भी है। शादी के बाद से ही पत्नी ब्वॉयफ्रेंड से फोन पर जसबीर सिंह को धमकी दिलवाया करती थी। इसपर जसबीर आपत्ति दर्ज कराई थी। लड़की के पिता व उसके अन्य परिजनों ने भी जसबीर सिंह को धमकी दी थी। इस सब की शिकायत पुलिस से की गई थी। मृतक के एक अन्य रिश्तेदार के मुताबिक जसबीर शादी के बाद से ही मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था और उसे जब धमकी मिलनी बंद नहीं हुई तो जहांगीरपुरी थाने में उसने लिखित शिकायत भी दर्ज कराई थी। कई बार पीड़ित ने पुलिस को बताया था कि उसे फोन पर तरह-तरह की धमकियां मिल रही है। लेकिन पुलिस ने कभी इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। परेशान होकर मंगलवार तड़के जसबीर सिंह ने अपने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी।

सरकार के फीस बढ़ाने के निर्णय से मझौले स्कूल परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली में सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत पब्लिक स्कूलों में फीस बढ़ोतरी कर शिक्षक-कर्मचारियों का वेतन देने के शिक्षा निदेशालय के आदेश को लेकर मझोले स्तर के पब्लिक स्कूल प्रबंधन तनाव में आ गये हैं। दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल्स मेनेजमेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आरसी जैन ने बताया पहले तो एरियर के रूप में 6 हजार से लेकर 10 हजार रुपए प्रति बच्चा स्कूलों को अभिभावकों से लेना कठिन होगा वहीं दूसरी ओर शिक्षा सत्र 2018-19 से स्कूलों की फीस में कम से 25 से 30 फीसद तक की वृद्धि तय है। मंगलवार को जारी बयान में एसोसिएशन ने कहा है कि पिछले दो वर्षों में दिल्ली सरकार ने फीस बढ़ाने की मंजूरी नहीं दी जिसके कारण अधिकतर स्कूलों का रिजर्व फंड समाप्त हो चुका है। दूसरी ओर दिल्ली के पब्लिक स्कूलों का एक बहुत बड़ा हिस्सा छठे वेतन आयोग के समय उच्च न्यायालय द्वारा गठित अनील देव सिंह कमेटी द्वारा गलत तरीके से फीस वापसी के आदेश से ही जूझ रहा है।

मुख्यमंत्री ने लिखा शहरी विकास मंत्री को पत्र

मेट्रो यात्रा सस्ती हो सुनिश्चित करें : केजरीवाल

नई दिल्ली। केजरीवाल ने शहरी विकास मंत्री द्वारा एक्सपर्ट कमेटी गठन का किया स्वागतकहा, मेट्रो की वित्तीय व प्रबंधन पणाली की हो जांच मेट्रो कारपोरेशन बने हो गए दो दशक इसलिए सुधार की है जरूरत एक्सपर्ट कमेटी से शहरी विकास मंत्रालय व दिल्ली सरकार दोनों को मिलेगा फायदा मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सपर्ट कमेटी में दो सदस्य केन्द्र सरकार व दो दिल्ली सरकार के होंसभी सदस्य फिर किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को चुनें एक्सपर्ट कमेटी का अध्यक्ष मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर डीएमआरसी के क्रिया कलापों की विस्तृत जांच कराने को कहा है व राजधानीवासियों को कम किराए पर यात्रा करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

उन्होंने हरदीप सिंह पुरी द्वारा गठित एक्सपर्ट कमेटी का स्वागत किया है व कमेटी द्वारा जांच में पांच सुझाव शामिल करने को कहा है जिसमें मेट्रो कारपोरेशन की जवाबदेही तय करने का भी सुझाव शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच रिपोर्ट से केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय व दिल्ली सरकार दोनों को आम लोगों को सुविधा देने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो कारपोरेशन बने दो दशक बीत चुके हैं, अब इसकी कार्यप्रणाली की जांच आवश्यक है ताकि संचालन की जवाबदेही भी तय की जा सके। इससे भविष्य में मेट्रो में वित्तीय भागीदारी की व्यवस्था सुनिश्चित करने में आसानी होगी। केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री ने एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया है व इसकी जानकारी पत्र द्वारा केजरीवाल को दे दी है। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने पुरी को सुझावों भरा पत्र भेजा है। केजरीवाल ने एक्सपर्ट कमेटी के गठन का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मेट्रो के सांस्थानिक ढांचे का अध्ययन होना चाहिए, मैनेजमेंट व वित्तीय पणाली की जांच हो, वित्तीय, प्रशासनिक कंट्रोल व जवाबदारी तय करने की बात हो, साथ ही कमेटी इस प्रकार के सुझाव तैयार करे कि आम लोगों को सस्ते दरों पर मेट्रो में यात्रा का लाभ मिल सके।

साथ ही अरविंद केजरीवाल ने पत्र में यह भी सुझाव दिया कि एक्सपर्ट कमेटी में एक या दो सदस्य केन्द्र सरकार के हों व एक या दो सदस्य दिल्ली सरकार के होने चाहिए। फिर ये सभी सदस्य मिलकर किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को अपना अध्यक्ष चुन लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार व शहरी विकास मंत्रालय के बीच संवाद की कमी है। दिल्ली सरकार ने पूरे मेट्रो के संबंध में कोई जांच नहीं बिठाई है। हम सिर्फ किराया व वित्तीय पणाली संबंधी जांच करने के पक्षधर हैं। इससे मेट्रो की कार्यपणाली की जानकारी मिल पाएगी जिससे वित्तीय पोषण, भागीदारी व भविष्य में मेट्रो नेटवर्क बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह कोई बड़ा मामला नहीं है बल्कि सामान्य बात है जिससे भविष्य में सुधार संभव है। यह जांच जल्द शुरू होगी व मुझे लगता है कि इसमें आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अगर आपको भी जांच कराने कर जरूरत लगे तो शहरी विकास मंत्रालय या किसी एजेंसी से इस प्रकार की जांच करा सकते हैं। इन जांच के बाद निकले तथ्यों से आपको व मुझे भविष्य में जनता को बेहतर सेवा प्रदान करने का रास्ता साफ हो सकेगा।

अमूल ने ट्विटर पर रेलवे को भेजा बिजनेस प्रपोजल, रेलवे ने कुछ यूं दिया जवाब

नई दिल्ली। सोशल मीडिया आजकल हर जगह छाया हुआ है। लेकिन इस पर बिजनेस डील भी हो सकती है ये नहीं सोचा था। ज्यादातर बिजनेस डील कॉरपोरेट रूम में होते है। लेकिन भारतीय रेलवे अब ट्विटर पर बिजनेस डील भी करने लगी है। अमूल इंडिया ने रेलवे को ट्विटर के द्वारा बिजनेस प्रपोजल दिया है। अमूल का ट्वीट होने के कुछ मिनटों बाद ही भारतीय रेलवे ने अमूल के अंदाज में ही उसे जवाब दिया। अमूल ने रेलवे को ट्विटर पर बिजनेस प्रपोजल देते हुए पूछा कि क्या वो बटर पार्सल करने के लिए रेलवे की रेफ्रिजेरेटेड पार्सल सर्विस का यूज कर सकता है। जिसके बाद भारतीय रेलवे ने बिना समय गंवाए इसका जवाब हां में दिया और ट्वीट भी उनके अंदाज में किया।

सीतापुर में पिता ने तीन मासूम बेटियों को चलती ट्रेन से फेंका, एक की मौत,

सीतापुर। बेरहम पिता ने तीन मासूम बेटियों को चलती ट्रेन से फेंक दिया। एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दो मासूमों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक बच्ची रामकोट थाने के गौरा गांव के पास, दूसरी इसी थाना क्षेत्र के भवानीपुर के पास बेहोश मिली, जबकि तीसरी बच्ची का शव मानपुर थाना क्षेत्र के रमईपुर हाल्ट के करीब पाया गया। सीओ सिटी योगेंद्र सिंह ने बताया कि मोतिहारी के एसपी से संपर्क साधा गया है। बच्चियों के बताए अनुसार उसके परिजनों की खोजबीन की जा रही है। जीआरपी एसओ के केस दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग चार बजे अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही ट्रेन अमृतसर-सहरसा जनसेवा एक्सप्रेस से तीन मासूम बच्चियों को उसके पिता ने ही फेंक दिया। सुबह लगभग साढ़े सात बजे जिले के रामकोट थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव के पास टहलने निकले दिनेश मिश्रा ने एक बच्ची को रेल पटरी के किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। बेहोश बच्ची को पानी के छींटें मारकर होश में लाया गया। होश में आने पर आठ साल की अल्बुन खातून ने कुछ दूर पहले छोटी बहन को भी फेंके जाने की जानकारी दी। दिनेश ने यूपी डायल 100 के साथ 108 एम्बुलेंस को इसकी सूचना दी और अन्य ग्रामीणों को लेकर दूसरी बच्ची की खोज में जुट गए। लगभग एक किलोमीटर दूर दूसरी बच्ची बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। तब तक एम्बुलेंस भी पहुंच चुकी थी। एम्बुलेंस से घायल बच्चियों को जिला अस्पताल लाया गया जहां दोनों का उपचार चल रहा है।

मोतिहारी के हैं रहने वाले:

अस्पताल में होश आने पर पिता की बेरहमी का शिकार हुई आठ साल की अल्बुन खातून ने बताया कि बिहार के मोतिहारी जिले के गांव छोड़िया निवासी अपने पिता इद्रू व मां अबलीना खातून के साथ ट्रेन से जा रही थी। सुबह के समय उसकी मां अबलीना खातून गहरी नींद में सो गई। इसी दौरान उसके पिता उसकी छह वर्षीय बहन सलीना खातून को गेट के पास लेकर पहुंचे।

मणिकर्णिका घाट पर होगा अंतिम संस्कार

प्रख्यात ठुमरी गायिका गिरिजा देवी का पार्थिव शरीर आज आएगा

वाराणसी। पद्मविभूषण गिरिजा देवी का पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार को कोलकाता से वाराणसी लाया जाएगा और मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत में ठुमरी साम्राज्ञी के रूप में प्रख्यात पद्मविभूषण गिरिजा देवी का मंगलवार को कोलकाता के बिरला अस्पताल में रात करीब साढ़े नौ बजे निधन हो गया। सुबह तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

8 मई 1929 को बनारस में जन्मी गिरिजा देवी को 2016 में पद्मविभूषण सम्मान से नवाजा गया था। गिरिजा देवी का अंतिम संस्कार बुधवार दोपहर वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। उनका शव दोपहर तक कोलकाता से विशेष विमान से लाया जाएगा।

गिरिजा देवी के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक जताया है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत ने अपनी सबसे मधुर आवाजों में से एक को खो दिया है। मेरी संवेदनाएं गिरिजा देवी के प्रशंसकों के साथ हैं। उनकी आवाज कई पीढ़ियों को प्रभावित करती थी। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि गिरिजा देवी ने ठुमरी गायन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके संगीत शिक्षण में उनके कई शिष्यों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। अपने जीवन की अन्तिम अवस्था तक गिरिजा देवी संगीत साधना में लीन रहीं। गिरिजा देवी की नतिनी अनन्या दत्ता के अनुसार मंगलवार की सुबह उन्होंने खूब बात की थी। फिर थोड़ी तबियत खराब होने की बात कही। उन्हें अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने जांच के बाद भर्ती कर लिया। देर शाम थोड़ा सुधार हुआ लेकिन रात करीब आठ बजे स्थिति नाजुक हो गयी। रात साढ़े नौ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। बनारस घराने की सशक्त आवाज और संगीत की जीवंत मिसाल रहीं गिरिजा देवी काशी की संगीत का मुख्य केन्द्र बनाने की इच्छा रखती थीं।

गिरजा देवी बनारस क नाक रहलिन: मिश्र बंधु

उनकी वाणी में सरस्वती बसती थी : मालिनी अवस्थी उनकी वाणी में सरस्वती का वास था। मेरी उनसे दीवाली के दिन बात हुई थी। उनका अगले दो माह का कार्यक्रम तय था। 27 अक्तूबर से उनका जयपुर उनका कार्यक्रम था। उसके बाद उनका पूना में भी कार्यक्रम तय था।

बनारस उनके तन मन, वाणी और कर्म में बसता था। वह हमेशा कहती थीं कि बनारस की इस कला को जिंदा रखो। नई पीढ़ी के लिए वह एक जीती जागती मिसाल थीं। कला की वह शानदार साधक थी। उनका संगीत अद्भुत था, वह किसी ईश्वरीय जादू की तरह था। 88 साल की उम्र में भी वह काफी उत्साह में रहती थीं।

गायिका मालिनी अवस्थी कहती हैं कि वह जब भी दिल्ली आती थी, कभी होटल में नहीं ठहरी। हमेशा अपने शिष्य और शिष्याओं के पास ही रुकना पसंद करती थीं। इस साल भी वे एक बार मालिनी अवस्थी के घर तो दूसरी बार सुनन्दा शर्मा के घर रुकी थीं।

गिरिजा देवी: मछली ने सिखाया जिंदगी का सबक

वह हमें गरीब कर गईं : जावेद अख्तर

गिरिजा देवी न केवल एक शास्त्रीय गायिका थी वरन देश के लिए एक धरोहर और नगीना थीं। उनके निधन ने हमें गरीब कर दिया। गिरिजा देवी के निधन से पूर्वांचल ही नहीं देश की लोक कोकिला का कंठ मौन हो गया है लेकिन जैसा एक कवि ने कहा है 'आवाजा की एक जगह है'। गिरिजा देवी की वह जगह हमेशा बनी रहेगी। गिरिजा देवी के आवाज में जो खनक थी वह आत्मा के तार को झंकृत कर देती थी। अंततः वह स्त्री और पुरुष के आवाज से परे मनुष्य मात्र की आवाज थीं।

ज्ञानेंद्रपति, साहित्यकार

गिरिजा देवी बनारस घराने की अनमोल विरासत थीं। उन्होंने बनारस की गायकी को नया आयाम दिया। ठुमरी को नई पहचान दी। उनके गायन में हाव-भाव के मिश्रण ने जो माधुर्य पैदा होता था वह दुर्लभ है। उनके कमी दूर नहीं की जा सकती। उनका निधन अपूरणीय क्षति है।

पाकिस्तान को लताड़ः सुषमा और टिलरसन बोले

नई दिल्ली। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने बुधवार को अमेरिका के विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन से मुलाकात की। टिलरसन पहली बार आधिकारिका दौरे पर भारत आए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन के साथ बातचीत के बाद सुषमा स्वराज ने कहा कि अफ़ग़ानिस्तान में हो रहे हमलों से चिंतित हैं, पाकिस्तान को आतंकवादी समूहों के खिलाफकार्रवाई करनी चाहिए। सुषमा ने कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले किसी भी देश को जवाबदेह ठहराया जाये, अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति तभी सफल हो सकती है जब पाकिस्तान आतंकवादी समूहों के खिलाफ कावाई करे। सुषमा स्वराज ने कहा कि एच।बी वीजा मुद्दे पर चर्चा हुई है। अमेरिका के विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन से अनुरोध किया कि भारतीयों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली कार्रवाई ना करें। उधर रेक्स टिलरसन ने कहा कि आतंकवादियों के पनाहगाह बर्दाश्त नहीं किये जाएंगे। हम पाकिस्तान से आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई की आशा करते हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्री टिलरसन ने कहा कि भारत की सेना के आधुनिकीकरण के लिए सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी मुहैया कराने को तैयार हैं। अमेरिका भारत के साथ लड़ाकू विमानों एफ।6 और एफ।18 के सौदों पर चर्चा को लेकर उत्सुक है। टिलरसन ने कहा कि अमेरिका-अफ गानिस्तान नीति के लिए भारत महत्वपूर्ण है, हम हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने को लेकर उत्सुक हैं। हम पाकिस्तान से आतंकवादी समूहों के खिलाफकार्रवाई की आशा करते हैं।

यातायात पुलिस ने जारी किए दिशा-निर्देश मुख्यमंत्री व मंत्री भी करेंगे छठ घाटों का दौरा

विधायक व एसडीएम करेंगे छठ घाटों की मानिटरिंग

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पुलिस से यह सुनिश्चित करने को कहा कि छठ पूजा के लिए दो आयोजकों द्वारा दक्षिण दिल्ली के एक मैदान में किए जा रहे आयोजन में मंच और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं हो तथा कानून व्यवस्था बनाकर रखी जाए।

अदालत ने कहा कि यहां आया नगर में छठ मैदान में एकत्रित लोगों की बड़ी संख्या को संबोधित करने के लिए केवल पुलिस को लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की इजाजत हो।

न्यायमूर्ति विभू बाखरू ने कहा, इस अदालत का विचार है कि दिल्ली सरकार पिछले साल जिला मजिस्ट्रेट (दक्षिण) द्वारा दिए गए सुझाव पर विचार कर

नहीं चलेंगे डीजल जेनरेटर छठ पूजा मैदान पर कोई मंच लाउडस्पीकर नहीं : अदालत

सकती है और मौजूदा सीजन में भी इसे लागू कर सकती है। 26 अक्टूबर की शाम से लेकर 27 अक्टूबर की सुबह तक छठ पर्व के मद्देनजर दिल्ली यातायात पुलिस ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए बृहस्पतिवारको दोपहर से शुक्रवार की सुबह तक कई मागरे से बचने की सलाह दी है।

दिल्ली यातायात पुलिस संयुक्त आयुक्त गरिमा भटनागर ने बताया कि राजधानी के अलग-अलग जिलों में लाखों लोगों के छठ पूजा के अवसर यमुना, भलस्वा झील और हैदरनगर नहर आदि स्थानों पर बने छठ घाटों पर पहुंचने के दौरान इन इलाकों को जोड़ने वाले रास्तों जैसे बाहरी रिंग रोड, वजीराबाद पुल, कश्मीरी गेट बस अड्डे के आसपास की सड़क, पुस्ता रोड, कालिंदी कुंज पुल आदि इन रास्तों रास्तों का इस्तेमाल न करने की सलाह दी गई है।

इस दौरान यातायात पुलिस द्वारा घाटों के आसपास जगह-जगह पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है। उधर कुछ रास्तों पर ट्रॉफिक डायवर्जन किया गया है, जैसे पूरी प्रक्रिया के दौरान रिंग रोड पर मुकरबा चौक से चंदगीराम अखाड़ा तक कोई भी भारी वाहन या मालवाहन वाहनों को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

डीसीडब्ल्यू ने युवती को गुरुग्राम से कराया मुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की टीम ने अपने मां-बाप के घर में बंद एक शादीशुदा लड़की को मुक्त कराया। रजनी ने माता-पिता की मर्जी के खिलाफ राजा (बदला नाम) से शादी कर ली थी। दोनों अलग-अलग जाति के हैं, इसलिए रजनी के घर वालों को शादी स्वीकार नहीं थी। शादी के 14 महीने बाद रजनी के घर वाले उसे अपने साथ गुरुग्राम ले आए और फिर उसे वापस राजा के पास नहीं भेजा। डीसीडब्ल्यू की टीम ने गुरुग्राम पुलिस को साथ लेकर रजनी को उसके मायके से मुक्त कराया है।डीसीडब्ल्यू के अनुसार रजनी ने बताया कि उसका और राजा दोनों का परिवार दिल्ली में रहता था। दोनों साथ में पढ़ते थे और एक दूसरे को पसंद कर दोनों ने शादी का निर्णय लिया और दोनों ने अपने-अपने घरों में शादी की बात बता दी। राजा के घर वालों के इस शादी से कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन रजनी के घर वाले इन दोनों की शादी के लिए तैयार नहीं थे। रजनी ने बताया कि एक साल उसने अपने घर वालों को मनाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद दोनों ने आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली और हरियाणा में रहने लगे। शादी के बाद रजनी का परिवार दिल्ली से गुरु ग्राम शिफ्ट हो गया। दोनों 14 महीने तक साथ रहे। इस बीच रजनी का परिवार उस पर विवाह संबंध समाप्त कर घर वापस आने बनाते रहे।

हे राजन, क्षण भर का समय है ही क्या, ऐसा सोचने वाला मनुष्य मूर्ख होता है। और एक कौड़ी है ही क्या, यह सोचने वाला दरिद्र हो जाता है -नारायण पंडित

शांति बहाली के प्रति संजीदगी

सबसे जटिल और अत्यंत संवेदनशील मसलों में से एक कश्मीर के समाधान के वास्ते नरेन्द्र मोदी सरकार ने अब गले लगाने या बातचीत की पहल की है। वार्ताकार के लिए खुफिया ब्यूरो के पूर्व प्रमुख दिनेश्वर शर्मा का चयन किया गया है। शर्मा की नियुक्ति से केंद्र सरकार की राज्य में शांति बहाली के प्रति संजीदगी भी प्रगट होती है। मसलन; शर्मा को कैबिनेट सचिव का दर्जा दिया गया है। यानी वह सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहाकार या फिर प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करेंगे। इसके अलावा, उन्हें अपनी रपट देने के लिए कोई समय-सीमा नहीं दी गई है। शर्मा की आईपीएस अधिकारी के तौर पर पहली पोस्टिंग जम्मू-कश्मीर में ही हुई थी। सो उन्हें वहां की जमीनी हकीकत का ज्यादा ज्ञान है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह कि शर्मा को इस बात की पूरी आजादी हासिल होगी कि वह किससे मिल रहे हैं और किससे बातचीत करना चाहते हैं? हालांकि वार्ताकारों को नियुक्त करने का पूर्व की सरकार का अनुभव खासा अलाभकारी रहा है। यूपीए दो में वरिष्ठ पत्रकार दिलीप पडगांवकर, शिक्षाविद् राधा कुमार और एमएम अंसारी की नियुक्ति और केसी पंत व एनएन वोहरा कमेटी बेअसर साबित हुई है। सो, शर्मा कैसे और किस तरह का एजेंडा तय करेंगे और किस-किसको वार्ता के लिए आमंत्रित करेंगे, यह देखने वाली बात होगी। अच्छी बात यह है कि राज्य में भाजपा की सहयोगी पीडीपी पूरी कवायद को लेकर उत्साहित है। लेकिन राज्य की एक अहम सियासी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अभी से इसमें भंग डालने की कोशिश शुरू कर दी है। उसका तर्क है कि कश्मीर मसला पूरी तरह से सियासी मसला है और यहां अमन के लिए पाकिस्तान से भी वार्ता की जाए। हां, हुर्रियत के प्रति शर्मा का रुख कैसा रहता है, उससे भी कई गांठें खुलने की उम्मीद है। इन सब कसरत के बीच सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि सेना और पुलिस के मनोबल पर असर नहीं पड़े। ''ऑपरेशन ऑलआउट' में जो कामयाबी सुरक्षाबलों को मिली है, उसी ने केंद्र को वार्ता करने की ताकत और आत्मविास दिया है। देखना है वार्ताकार के जरिये कश्मीरियत, जम्हूरियत और इंसानियत की वापसी कब होती है? वैसे यह भी दिलचस्प है कि केंद्र में सत्तासीन होने के बाद राजनाथ ने वार्ताकार की योरी को ही नकार दिया था। अब एक बार फिर से उसी रास्ते पर लौटने के कई निहितार्थ निकाले जा रहे हैं।

पुनर्विचार की प्रक्रिया

देश में इन दिनों राष्ट्रवाद और राष्ट्रगान जैसे गंभीर मुद्दों पर मंथन और पुनर्विचार करने की प्रक्रिया काफी तेज हुई है। अभी मात्र ग्यारह माह पूर्व यानी तीस नवम्बर दो हजार सोलह को दिए अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पूरे देश के सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले राष्ट्रगान बजाया जाए और इस दौरान वहां मौजूद सभी लोगों को राष्ट्रगान के सम्मान में खड़ा रहना अनिवार्य होगा। जाहिर है पहली नजर में ही शीर्ष अदालत का यह आदेश बाध्यकारी था। अलबत्ता, इस आदेश में बदलाव करने की याचिका भी दाखिल की गई। इस पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कुछ सख्त टिप्पणियां भी कीं और अपने पहले के आदेश में बदलाव के संकेत भी दिए हैं। शीर्ष अदालत ने यह स्वीकार किया है कि देशभक्ति प्रदर्शित करने के लिए सिनेमाघरों में राष्ट्रगान के समय खड़ा होना जरूरी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का यह विचार अपने पहले के फैसले से ज्यादा बुद्धिमतापूर्ण और विवेकशील है। दरअसल, सिनेमाघर मनोरंजन स्थल होते हैं। यहां लोग किसी गंभीर विषय पर संवाद करने नहीं आते हैं। यहां आने वाले सिर्फ मौज-मस्ती, आनंद लेने और समय बिताने आते हैं। इसलिए ऐसे अगंभीर और हल्के-फुल्के स्थलों पर राष्ट्रगान बजाने और उसके सम्मान में दर्शकों को खड़ा करने के लिए कानूनन बाध्य करने से राष्ट्रगान में निहित गंभीरता प्रभावित हो सकती है। वैसे भी मनुष्य जन्मजात स्वतंत्र होता है। उसे बेवजह कानून की जंजीरों में बांधने से उसके नैसर्गिक अधिकारों पर कुठाराघात होता है। लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं कि मनुष्य के नैसर्गिक अधिकार असीमित हैं। सभ्य समाज राज्य को उसके अधिकारों को सीमित करने का अधिकार देता है। अलबत्ता, राज्य को इतना विवेकशील तो होना ही पड़ेगा कि वह इस बात को देखे कि मनुष्य की स्वतंत्रता के अधिकार को सीमित करने का औचित्य क्या है? कई बार सरकारें अपने एकल विचार को थोपने के लिए ऐसे फैसले करती हैं, जो बहुमत को स्वीकार नहीं होता। केंद्र सरकार के अटार्नी जनरल के.के वेणुगोपाल का यह विचार इसी श्रेणी का है कि भारत बहुलतावाला देश है। ऐसे में राष्ट्रगान का बजाया जाना एकात्मकता का बोध दिलाएगा। लेकिन अदालत ने इसके लिए सरकार से कानून में संशोधन का रास्ता बताया है। देखना होगा कि सरकार इस मामले में आगे क्या करती है।

सत्संग

सुपर कंप्यूटर

आप टेक्नोलॉजी की बात करते हैं तो मैं चाहता हूं कि पहले आप इसे समझें। देखिए, जैसे सुपर कंप्यूटर एक टेक्नोलॉजी है, इसी तरह से बैलगाड़ी भी। घर में बिजली से चलने वाला ''वेजिटेबल चॉपर' हो या हाथ से काटने वाला चाकू। दोनों ही टेक्नोलॉजी हैं। आप पूछ रहे हैं कि क्या हल्के दर्जे की टेक्नोलॉजी, ऊंचे दर्जे की टेक्नोलॉजी से बेहतर है? मुझे ऐसा नहीं लगता। आपको जिसने भी यह विचार दिया है कि टेक्नोलॉजी के अभाव से लोग खुश हैं, सही नहीं है। बात सिर्फ इतनी है कि टेक्नोलॉजी के चलते हर चीज थोड़ी हाइपर हो जाती है, कम से कम कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी के साथ तो ऐसा ही होता है। दूरदराज में कोई बुरी तरह बीमार है, तो आपको पता ही नहीं चलेगा क्योंकि वहां कोई आपको यह बताने वाला नहीं है। लेकिन जहां भारी-भरकम टेक्नोलॉजी मौजूद है, वहां किसी के साथ जो कुछ भी होता है, तो पूरी दुनिया जान जाती है। हजार साल पहले मुंबई में एक हजार लोग मर जाते, तब भी हम यहां बैठकर आसमान और पर्वतों को निहारते हुए कहते,''वाकई कितनी शांतिमय दुनिया है?' आज मुंबई में कोई मर जाए तो उसका खून पूरी दुनिया में सभी घरों के ड्राइंगरूम में फैल जाएगा। तो हम जानते हैं कि कहां क्या हो रहा है। यहां तक कि आपके बेडरूम में भी टीवी है। शुक्र है कि आपने बाथरूम को छोड़ दिया है। उसे अलग ही रखिए, कम से कम वह एक शांतिमय जगह बची है, जहां लोग गाना गाते हैं, खुश रहते हैं। तो टेक्नोलॉजी तो मौजूद है, लेकिन इसका कैसे इस्तेमाल करना है, आपके विवेक पर निर्भर है। टेक्नोलॉजी ने कभी नहीं कहा कि विवेक का इस्तेमाल मत कीजिए। हर चीज आपके लिए समस्या होगी। टेक्नोलॉजी की कमी समस्या है तो टेक्नोलॉजी भी अपने आप में एक समस्या है। आजकल लोग कह रहे हैं कि ऐसी बहुत-सी बीमारियां हैं, जो अमीरी के चलते आई हैं, तो ऐसे में क्या आप गरीबी की वकालत कर रहे हैं? अमीर इन बीमारियों से जूझ रहे हैं, इसलिए अच्छा होगा कि दुनिया को गरीब रखा जाए। यह तो बहुत ही बचकाना हल हुआ, बल्कि कोई हल हुआ ही नहीं। हमने उन हालात से बाहर निकलने की कोशिश की। उस समय हमारे लिए समाधान के तौर पर जो सामने आया, आज हम लोग उससे भी समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

''विचार-विमर्श शुरू''

सद्बुद्धि की बात इसलिए जरूरी है कि पहले यही काम वह एक अध्यादेश से करा रही थी और उसके प्रावधानों को नरम बनाने की जगह सख्त बनाने वाला विधेयक लेकर आ गई थी। विधेयक के प्रावधान देखने के बाद विपक्ष, मीडिया के लोगों और नागरिक अधिकारों के पक्षधर ही नहीं, खुद भाजपा के अंदर से भी विरोध शुरू हुआ था। पर अपनी जिद के लिए विख्यात वसुंधरा राजे ने इस मामले में आगे बढ़ने की ही ठानी और विधेयक को विधान सभा में पेश भी करा दिया गया। सारा विपक्ष ही नहीं घनश्याम तिवाडी और नरपत सिन्ह रिजवी जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता भी खुलकर विरोध में आए। कई जनहित याचिकाएं दाखिल हो गईं। एडिटर्स गिल्ड ने खुलकर विरोध किया तब केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद इसके पक्ष में बोले।

सतीश पेडणोकर

जब राजस्थान सरकार नेताओं/मुख्यमंत्री और मंत्रियों और नौकरशाहों के खिलाफ पूर्व अनुमति से भ्रष्टाचार संबंधी मामला दर्ज करने और इस बारे में किसी तरह की खबर देने को गैरकानूनी बनाने संबंधी अपना विधेयक लगभग रोक लिया है और उस पर ''विचार-विमर्श शुरू' करा दिया है तो उम्मीद करनी चाहिए कि यह मामला यहीं रुक जाएगा और सरकार को ''सद्बुद्धि' आ जाएगी। सद्बुद्धि की बात इसलिए जरूरी है कि पहले यही काम वह एक अध्यादेश से करा रही थी और उसके प्रावधानों को नरम बनाने की जगह सख्त बनाने वाला विधेयक लेकर आ गई थी। विधेयक के प्रावधान देखने के बाद विपक्ष, मीडिया के लोगों और नागरिक अधिकारों के पक्षधर ही नहीं, खुद भाजपा के अंदर से भी विरोध शुरू हुआ था। पर अपनी जिद के लिए विख्यात वसुंधरा राजे ने इस मामले में आगे बढ़ने की ही ठानी और विधेयक को विधान सभा में पेश भी करा दिया गया। सारा विपक्ष ही नहीं घनश्याम तिवाडी और नरपत सिन्ह रिजवी जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता भी खुलकर विरोध में आए। कई जनहित याचिकाएं दाखिल हो गईं। एडिटर्स गिल्ड ने खुलकर विरोध किया तब केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद इसके पक्ष में बोले। लगा कि भ्रष्टाचारियों को बचाने वाला यह कानून पास ही हो जाएगा और आवाज उठाने वाले ही, जिसमें मीडिया भी शामिल है, निशाने पर होंगे। लेकिन लगता है बढ़ते विरोध के चलते उसी शाम से मंत्रियों और अधिकारियों की बैठक शुरू हुई और तब जाकर मामला टलने की तरफ बढ़ा। लेकिन अभी भी इस खतरे के टल जाने का भरोसा नहीं किया जा सकता। वसुंधरा सरकार जब अपने अध्यादेश को कानूनी रूप देने और ज्यादा सख्त प्रावधानों की तरफबढ़ी तभी राहुल गांधी ने जो ट्वीट किया उसका मतलब बहुत कम लोगों को समझ आया होगा। उन्होंने लिखा कि यह 2017 है, 1817 नहीं। दरअसल, वे गवर्नर जनरल रिचर्ड वेलेस्ली द्वारा 1799 और फिर 1818 में प्रेस की आजादी पर चौंक कसने के प्रयासों के हवाले से कई बातों का संकेत कर रहे थे। वेलेस्ली तब नया-नया आए प्रेस से परेशान थे और औपनिवेशिक शासन का प्रमुख होने के चलते अपने हाथ में ज्यादा से ज्यादा ताकत चाहते थे। ये दोनों कानूनी प्रावधान उसी के लिए किए गए थे कि कोई अपनी मर्जी से कुछ छाप कर सरकार को संकट में न डाले और ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन पर कोई आंच न आए। प्रेस पर अंकुश लगाने का प्रयास तभी शुरू हुआ था और अभी तक शासक बिरादरी इसकी कोशिश से बाज नहीं आती। अंग्रेजी हुकूमत के वक्त और तब के बने कई कानूनों के चलते काफी बाद तक प्रेस पर कई तरह की बन्दिशें रही हैं। पर उसके बाद लोकतंत्र और न्यायपालिका के मजबूत होते जाने से काफी फर्क पड़ा है। पर शासक जमात बाज नहीं आता। कितने प्रयास आजाद भारत में और इसी राजस्थान सरकार ने भी किए हैं, उसकी गिनती बहुत लंबी है। पर जिस तरह उनकी अब तक की कोशिशें सफल नहीं हुई हैं, उम्मीद करनी चाहिए कि आगे भी नहीं होंगी राजस्थान सरकार का तर्क है कि भ्रष्टाचार की शिकायतों की बाढ़ आने से सरकार के कामकाज में बाधा आ रही है। इसलिए राजनेताओं, मंत्रियों और अधिकारियों के खिलाफ शिकायत भी बिना पूर्व अनुमति के दर्ज नहीं होनी चाहिए और यह खबर भी नहीं छपनी चाहिए। जो कोई ये दोनों काम करेगा, अर्थात मामला उठाएगा और मीडिया में देगा; उसे दो साल तक की सजा झेलनी होगी। और मामले का पता होने पर अनुमति छह माह के अंदर देनी होगी अर्थात जिसे सरकार भ्रष्ट काम मान लेगी उसके खिलाफ सिर्फ प्राथमिकी दर्ज करने का काम छह महीने तक टला रहेगा। अब सरकार को भ्रष्टाचार के असली/नकली मामले बढ़ने की चिंता होनी चाहिए या भ्रष्टाचार बढ़ने की इस सवाल को भी उठाया जाना चाहिए। पर उससे ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि क्या फर्जी मामले उठाने से सरकार का काम सचमुच प्रभावित हुआ है। जो आंकड़े सरकार खुद दे रही है उसके हिसाब से 2013 से 2017 के बीच जो लाखों मामले उठे उसमें से 73 फीसद साबित नहीं किए जा सके। सो पहला सवाल तो यही होगा कि क्या मामले साबित करना इतना आसान है कि किसी को भ्रष्टाचार दिखे और वह कनविक्शन तक पहुंच ही जाए। और अगर लाखों मामले में से सरकार को खुद ही 27 फीसद मामले सही लगते हैं तो क्या यह कोई कम बड़ी चीज है जिसे न सिर्फ नजरअंदाज किया जाए बल्कि मामले उठाने वालों को ही दंडित किया जाए। मुल्क भ्रष्टाचार से कितना परेशान है और यही भाजपा इस मुद्दे को पिछली सरकार के समय कैसा उठा रही थी, वह किसी की स्मृति से गायब नहीं हुआ है। दूसरे राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के मुकाबले वसुंधरा सरकार, उसके मंत्रियों/विधायकों और अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के ज्यादा मामले सामने आए हैं। यह भी हुआ है कि कई मामले रफा-दफा भी किए गए हैं। सो कायदे से उस भ्रष्टाचार को पकड़ने और कम करने का कानून बनना चाहिए, सख्ती होनी चाहिए। पर हो रहा उल्टा है। अभी जो कदम सरकार उठा रही थी उससे भ्रष्टाचारियों का संरक्षण ही होगा, उनको पकड़ना मुश्किल होगा। बिल पर विचार के बहाने अभी उसे ठंडे बस्ते में डालने के पीछे यही मानस काम कर रहा होगा। पर अगर मंशा अपनी चलाने और भ्रष्टाचार पर परदा डालना हो तो इस मसले को दबा हुआ नहीं मानना चाहिए। मगर ज्यादा बड़ी चीज अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटने की तैयारी है। सिर्फ अपराध कानून की दफा 190 और 156 को बदलने की तैयारी नहीं है। 1997 के विनीत नारायण केस और 2004 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को भी पलटने की तैयारी थी, जिससे अधिकारियों के सीनियर-जूनियर का भेद खत्म हो जाने और खबरों के प्रकाशन की आजादी पर भी सवाल उठने लगा है। और यह काम किसी गलतफहमी या भ्रम से हो, यह बहाना भी नहीं रखा गया है। खबर छापने या प्रसारित करने पर बाजाप्ता दो साल की सजा का प्रावधान खौफ पैदा करने के लिए ही रखा गया है। और वेलेस्ली को तो अपनी गुलाम प्रजा और सबसे बढ़कर टीपू सुल्तान की फौज के मूवमेंट की खबर छपने से लोगों में शासन के खिलाफ उत्साह बढ़ने और अपनी सत्ता जाने का डर था, वसुंधरा सरकार ने तो वैसा कोई कारण भी नहीं दिया।

चलते चलते

घोर मंदर के अंदर

कोई संस्कृतभाषी सौंदर्य प्रेमी ताजमहल को देखकर मुग्ध हो गए होंगे, उनके मुंह से अनायास निकला होगा, वाह! आज एक तेजोमय मंदिर देख लिया। ताज में तेज देखा तेजोमय हो गया। महल को मंदर कहते थे वे। आपने भूषण का यमक अलंकार वाला एक कवित्त सुना होगा, ''ऊंचे घोर मंदर के अंदर रहन वारी, ऊंचे घोर मंदर के अंदर रहती हैं।' पहले मंदर का अर्थ महल है, और दूसरे का मंदिर। ताजमहल को देखने वाले।

ताजमहल कौ नाम तेजोमय मंदिर ओ का ?-ताजमहल का नाम तेजोमय मंदिर कभी नहीं था। कोई संस्कृतभाषी सौंदर्यप्रेमी ताजमहल को देखकर मुग्ध हो गए होंगे, उनके मुंह से अनायास निकला होगा, वाह! आज एक तेजोमय मंदिर देख लिया। ताज में तेज देखा तेजोमय हो गया। महल को मंदिर कहते थे वे। आपने भूषण का यमक अलंकार वाला एक कवित्त सुना होगा, ''ऊंचे घोर मंदर के अंदर रहन वारी, ऊंचे घोर मंदर के अंदर रहती हैं।' पहले मंदर का अर्थ महल है, और दूसरे का मंदिर। ताजमहल को देखने वाले, अपने लिए उसका कोई भी नाम रख सकते हैं, लेकिन यह कहना कि यहां पहले कोई तेजोमय मंदिर था, परममूर्खता की बात है। एक कहावत है कि अगर तुम अतीत पर गोलियां बरसाओगे तो भविष्य तुम पर तोप के गोले दागेगा। भविष्य भी जब इतिहास बन जाता है, तो तयविहीन निष्कर्षों को माफ नहीं करता।- आजकल की बातन में बड़े दाग-धब्बा ऐं। -नफरत फैलाने के टोटके हैं चचा। मेरे लिए ताजमहल वास्तुकला में इंसानी हाथों से की गई शायरी है। संगमरमर का संगीत है। जिन वास्तुकारों ने इसे बनाने का सपना देखा और साकार कर दिखाया, उनके लिए हमारे मन में सम्मान के अलावा कुछ हो नहीं सकता। सपना साकार करने में जो मानवीय श्रम लगा, उसकी इज्जत होनी चाहिए। कुल जमा बाईस साल लगे बनाने में। न क्रेन होती थीं, न रेलगाड़ियां। चौबीस हज़ार लोगों के अड़तालीस हजार हाथ इसे बनाने में सक्रिय रहे। बनाने वालों में उनका हुनर ही उनका धर्म था। उनमें जात-पात और मजहब का भेदभाव नहीं था चचा! उस्ताद आफ़न्दी नक्शानवीस थे। उस्ताद मनोहर सिंह बढ़ई थे।

उस्ताद ईसा राजगीर थे। उस्ताद चिरंजी लाल, छोटे लाल, मधु लाल ने की थी पच्चीकारी। अता मोहम्मद, जाटमल, शंकर, जोरावर ने गुलकारी। मौहम्मद शरीफकलशसाज थे समरकंद के। मोहम्मद हनीफमेमार थे कंधार के। आज संसार की कितनी आंखें ताज के सौंदर्य को निहारती हैं। कितने हृदय इसको सराहते हैं। उस संगमरमर केंगीत को सुनने के बजाय यह कौन बेसुरा संगीत है, जिसमें सौंदर्य का सोम नहीं है!

मुद्दा

महिलाओं की चोटी काटना

कश्मीर में महिलाओं की चोटी काटने और इससे संबंधित हिंसा की घटनाएं लगातार हो रही हैं। घाटी में माहौल ऐसा बना हुआ है कि कोई भी कहीं भी शक के घेरे में आ सकता है। फिर चाहे वह स्थानीय हो या पर्यटक या सुरक्षाकर्मी या सेना का जवान, बूढ़ा हो या विक्षिप्त या फिर विकलांग, संदेह किसी पर भी किया जा सकता है। सिर्फ संदेह के आधार पर भीड़ उत्तेजित होकर हिंसा कर रही है। हिंसक भीड़ के इन हमलों में कुछ मौतें भी हुई और कई गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक एक महीने में 130 चोटी काटने की घटनाएं वादी में हो चुकी हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस अभी तक किसी चोटी काटने वाले को पकड़ नहीं सकी है। सुराग देने वाले को 6 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई है। लेकिन कुछ ठोस हाथ नहीं आया है। चोटी काटने की वारदातों से उत्पन्न अफवाहों ने पूरी घाटी को मानो अपने चपेट में ले लिया है। चोटीकटवा के नाम पर लोग बरूर हिंसा पर उतर आए हैं। रास्ते में कोई भी सवाल पूछ सकता है और अगर जवाब ठीक से न दे पाए या फिर पहचान पत्र साथ न हो तो स्थानीय लोगों के निशाने पर आ सकते हैं। बरूरता तो इस हद तक हो गई है कि कश्मीर के सोपोर में एक मंद बुद्धि युवक वसीम अहमद तांत्रे को चोटीकटवा समझ कर भीड़ ने पीट-पीट कर अधमरा कर दिया और फिर उसको जिंदा जलाने की कोशिश भी की। श्रीनगर की डल झील में तब हलचल मच गई जब कुछ लोगों ने एक व्यक्ति को चोटी कटवा समझ पर पानी में डुबोने की कोशिश की। विदेशी पर्यटकों पर भी हमला किया गया। श्रीनगर के रैनावारी इलाके में 6 विदेशी पर्यटकों पर करीब 1000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया। समय रहते अगर पुलिस नहीं पहुंचती तो इन विदेशी पर्यटकों के साथ भीड़ कुछ भी कर सकती थी। कश्मीर आंतकवाद ग्रस्त इलाका है। आतंकवादी और उनके समर्थक भय और धर्म के नाम पर आम जनता को दबा कर रखने की रणनीति से चलते हैं। इस साल 100 से अधिक आतंकवादी मारे जा चुके हैं। इस कार्रवाई के साथ-साथ हुर्रियत के खिलाफ आतंकी फंडिंग मामलों की जांच कर रही है और कई गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं। और ऐसे में चोटी कांड इन देश विरोधी ताकतों को बल देना का काम कर रहा है। हुर्रियत ने इन चोटी काटने वाली वारदातों के लिए सरकार और सुरक्षा बल को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय सोशल मीडिया में भी इसकी चर्चा है। हुर्रियत की कोशिश लगातार यही रहती है कि किसी तरह से सेना के खिलाफ माहौल बना रहे। ऐसे में चोटी काटने वाला विचार उनके लिए एक घातक हथियार बन गया है। सवाल यह भी है घाटी में मुस्लिम महिलाओं की ही चोटियां क्यों काटी जा रही है? ये सवाल अटपटा लग सकता है क्योंकि 1990 में कश्मीरी हिन्दुओं के पलायन के बाद घाटी में मुस्लिम की ही आबादी है जबकि गैर मुस्लिम मुश्किल से एक प्रतिशत होंगे। मुस्लिम महिलाएं बुरका या हिजाब के बिना घर से बाहर नहीं निकल सकती हैं। जब घाटी में आतंकवाद शरू हुआ तो सबसे पहले महिलाओं के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया। इससे लागू करने में आतंकवादी संगठनों के साथ साथ कट्टरपंथ दुख्तरान-ए-मिल्लत ने भी कश्मीरी महिलाओं पर अत्याचार करके ड्रेस कोड लागू किया जो आज तक चल रहा है। ऐसे में हिजाब में या बुर्के में जा रही महिला की चोटी कैसे कोई काट सकता है? इस सवाल में ही जवाब छिपा है।

कश्मीर में रह रहे लोगों की त्रासदी है कि पिछले 30 साल से वे आतंक के खौफ,धर्म के नाम पर भावनात्मक शोषण और अब इस तरह की अफवाहों के आधार पर मार काट को झेल रहे हैं। इस सब में कश्मीरी युवा ही सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। शायद इस कारण चोटी कांड से संबंधित हिंसा में ज्यादातर युवा ही शामिल हैं। ये युवा अनपढ़ या पिछड़े नहीं हैं। फिर भी अफवाहों को सच मान कर हिंसा करने में जरा भी संकोच नहीं कर रहा है। और यह बहुत ही खतरनाक है।

जीएसटी की जटिलताओं से बेचैन

आभा स्वामी

पिछले वर्ष आठ नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब दीपावली के तुरंत बाद नोटबंदी का ऐलान किया था, तब एक बड़े व्यापारी वर्ग को यह लगा था कि सरकार के इस कदम से उसके समक्ष तमाम मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। नोटबंदी को लेकर व्यापारी वर्ग के असंतोष के बाद भी मोदी सरकार इसे लेकर आश्वस्त थी कि यह एक आवश्यक कदम है और आगे चलकर इसका आर्थिक लाभ मिलेगा। तमाम समस्याओं के बावजूद आम जनता के बीच नोटबंदी को लेकर यह धारणा भी बनी थी कि सरकार ने इसके जरिए कालेधन के कारोबारियों पर तगड़ी चोट की है। काफी हद तक ऐसा हुआ भी। यह भी सही है कि भाजपा को इस फैसले का राजनीतिक लाभ भी मिला। कई राज्यों के निकाय चुनावों और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जबर्दस्त सफलता को नोटबंदी का ही असर माना गया। भाजपा को ऐसे जनसमर्थन के बाद जहां व्यापारी वर्ग शांत हो गया, वहीं धीरे-धीरे बाजार में नोटों की किल्लत भी समाप्त हो गई। नोटबंदी को सभी ने एक कड़वी गोली के रूप में स्वीकार किया था। खुद प्रधानमंत्री ने कई बार यह कहा था कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए कड़वी गोली आवश्यक होती है। लोगों ने उनकी इस बात को स्वीकार किया तो इसका एक बड़ा कारण यह था कि नोटबंदी के पीछे सरकार का नेक इरादा नजर आ रहा था। मोदी की अपनी छवि के कारण भी नोटबंदी को लोगों का व्यापक समर्थन मिला। नोटबंदी के आठ महीने बाद ही जीएसटी लागू हुआ। यह एक बड़ा और अहम आर्थिक सुधार का कदम था। जीएसटी की कल्पना लगभग एक दशक पूर्व की गई थी, लेकिन उसे लागू करने में लंबा वक्त लग गया। इस कर सुधार का मकसद पूरे देश में टैक्स की एक समान प्रणाली लागू करना, दो नबंर के लेन-देन पर लगाम लगाना और अलग-अलग टैक्स के झंझट को खत्म करना था। जीएसटी जरूरी था, लेकिन उसके क्रियान्वयन संबंधी खामियों ने व्यापारियों की परेशानी बढ़ाने का काम किया है। इसमें दो-राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक लोकप्रियता अभी भी सबसे अधिक है। कोई अन्य नेता उनके जितना लोकप्रिय नहीं। इसके बावजूद यह भी सही है कि जीएसटी के पेचीदा नियम-कानूनों से पीड़ित व्यापारियों के बीच मोदी की उद्योग-व्यापार को बल देने वाले कुशल प्रशासक की छवि प्रभावित होती दिख रही है। निःसंदेह जीएसटी का लक्ष्य देश में व्यापक आर्थिक बदलाव लाना है, लेकिन यह भी सच है कि तीन माह बाद भी उसके अनुपालन से जुड़ी जटिलताएं व्यापारियों को परेशान कर रही हैं। उन्हें कुछ राहत दी गई है, लेकिन जटिलताएं समाप्त होने का नाम नहीं ले रही हैं। जीएसटी के चार स्लैब, लंबी कागजी खानापूरी, रियायत संबंधी शर्तें व्यापारी वर्ग के लिए गंभीर समस्या बन गई हैं। बतौर उदाहरण अगर छोटे व्यापारी ऐसे व्यापारियों को माल बेचते हैं जो जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड हैं तो उन्हें इनपुट क्रेडिट नहीं मिलता। जीएसटी के तहत रजिस्टर्ड व्यापारियों को अपना हिसाब-किताब दुरुस्त रखने के लिए भी अतिरिक्त कदम उठाने पड़ रहे हैं। जीएसटी के चार स्लैब होने के कारण उन व्यापारियों की कागजी लिखा-पढ़ी बहुत बढ़ गई है, जो हर तरह की सामग्री बेचते हैं। एक और समस्या निर्यातकों को रिटर्न मिलने में देरी की है। असमान विकास जाति की जड़ों को मजबूत करता है, क्योंकि वह नए-नए सामाजिक सोपान पैदा करता है। लोकतंत्र, स्त्री-पुरुष समानता, मानव अधिकार, स्वतंत्रता आदि की तरह समानता भी एक असंभव स्वप्न है, जिसकी झांकी हम देख सकते हैं, जिसकी ओर जाने की कोशिश कर सकते हैं, पर जिसे हासिल नहीं कर सकते। कोई सचमुच इस बारे में सोच-विचार करना चाहता है तो उसे उन परिस्थितियों पर अपनी नजर केंद्रित करनी चाहिए जो जाति को पैदा करती हैं और उसे बनाए रखती हैं।

इंडोनेशिया के मुस्लिम कलाकारों ने मुझसे कहा- इस्लाम हमारी उपासना विधि, राम हमारे पूर्वज: योगी

वाराणसी.सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को वाराणसी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 9 करोड़ 26 लाख रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। वहीं, रामनगर के डोमरी में मोरारी बापू की मानस कथा में भी शामिल हुए। यहां उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा- इंडोनेशिया वर्ल्ड का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है। वहां से आए मुस्लिम कलाकारों ने अयोध्या में रामलीला की थी। उन कलाकारों का कहना था कि इस्लाम हमारी उपासना विधि है, लेकिन राम हमारे पूर्वज हैं।

मुस्ल ?मि कलाकारों ने कहा- राम हमारे पूर्वज हैं

- योगी ने मोरारी बापू की कथा में संबोधित करते हुए कहा- "इस बार अयोध्या की रामलीला में इंडोनेशिया से मुस्लिम कलाकार आए थे। इंडोनेशिया वर्ल्ड का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है।"

- "मैंने उन कलाकारों से पूछा- क्या रामलीला में आपको राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान बनने में आपको संकोच नहीं है। उन्होंने मुझसे कहा- इस्लाम हमारी उपासना विधि है, लेकिन राम हमारे पूर्वज है। हम अपने पूर्वज को कैसे छोड़ सकते हैं।"

- "इंडोनेशिया में राष्ट्रीय पर्व रामलीला बन गया है। इंडोनेशिया में नोट पर गणेश जी छपे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने नेशनल एयर लाइंस का नाम विष्णु की सवारी गरुण के नाम पर रखा है।"

- "उन्होंने कहा उपासना बदलने से हमारे पूर्वज नहीं बदल जाते। इसलिए हम सदभाव से रामलीला करते हैं।"

योगी ने गिरिजा देवी को दी श्रद्धांजलि

- इससे पहले योगी ने यहां सांस्कृतिक संकुल में 9 करोड़ 26 लाख रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- "काशी की माटी से जुड़ी भारत की परंपरा को नई गति देने वाली और ठुमरी गायकी को उचाईयों पर ले जाने वाली गिरिजा देवी को शासन की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। गिरिजा देवी के नाम पर होगा। इसके लिए प्रक्रिया स्वरूप कार्य किए जाएंगे। आज काशी विकास की नई ऊंचाई को छूने के लिए लालायित दिखाई दे रहा है। केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की लोककल्याण की योजनाओं को समय समय पर मोनिटरिंग करना हमारा काम है। पिछले सात महीने के दौरान काशी विकास की नई दिशा में तेजी से अग्रसर हो रही है।"

खुलासा: फर्जी एनकाउंटर के मामलों में पूरे देश में सबसे आगे यूपी पुलिस

मेरठ। फर्जी एनकाउंटर की शिकायतों में यूपी पुलिस देश में सबसे आगे है। इसका खुलासा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की ओर से जारी किए आंकड़े कर रहे हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले 12 साल में यूपी पुलिस पर सबसे ज्यादा फर्जी एनकाउंटर के आरोप लगे और सबसे ज्यादा पुलिस अभिरक्षा में मौत के मामले भी यूपी पुलिस के नाम रहे। यूपी पुलिस, मानवाधिकार उल्लंघन से लेकर बाकी तमाम लापरवाही में पूरे देश में सबसे ऊपर है।

मेरठ के आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश खुराना ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से पूरे देश के सभी राज्यों की पुलिस पर लगे फर्जी एनकाउंटर के आरोप, पुलिस अभिरक्षा में मौत और थर्ड डिग्री देने को लेकर सूचना मांगी थी। एक जनवरी 2005 से लेकर अक्टूबर 2017 तक का पूरा रिकार्ड मांगा गया था।

प्रख्यात ठुमरी गायिका गिरिजा देवी का पार्थिव शरीर आज आएगा काशी

मणिकर्णिका घाट पर होगा अंतिम संस्कार

वाराणसी। पद्मविभूषण गिरिजा देवी का पार्थिव शरीर वृहस्पतिवार को कोलकाता से वाराणसी लाया जाएगा और मणिकर्णिका घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत में ठुमरी साम्राज्ञी के रूप में प्रख्यात पद्मविभूषण गिरिजा देवी का मंगलवार को कोलकाता के बिरला अस्पताल में रात करीब साढ़े नौ बजे निधन हो गया। सुबह तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

8 मई 1929 को बनारस में जन्मी गिरिजा देवी को 2016 में पद्मविभूषण सम्मान से नवाजा गया था। गिरिजा देवी का अंतिम संस्कार बुधवार दोपहर वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। उनका शव दोपहर तक कोलकाता से विशेष विमान से लाया जाएगा।

गिरिजा देवी के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक जताया है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत ने अपनी सबसे मधुर आवाजों में से एक को खो दिया है। मेरी संवेदनाएं गिरिजा देवी के प्रशंसकों के साथ हैं। उनकी आवाज कई पीढ़ियों को प्रभावित करती थी। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि गिरिजा देवी ने ठुमरी गायन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके संगीत शिक्षण में उनके कई शिष्यों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। अपने जीवन की अनितम अवस्था तक गिरिजा देवी संगीत साधना में लीन रहीं।

गिरिजा देवी की नतिनी अनन्या दत्ता के अनुसार मंगलवार की सुबह उन्होंने खूब बात की थी। फिर थोड़ी तबियत खराब होने की बात कही। उन्हें अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने जांच के बाद भर्ती कर लिया। देर शाम थोड़ा सुधार हुआ लेकिन रात करीब आठ बजे स्थिति नाजुक हो गयी। रात साढ़े नौ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। बनारस घराने की सशक्त आवाज और संगीत की जीवंत मिसाल रहीं गिरिजा देवी काशी को संगीत का मुख्य केन्द्र बनाने की इच्छा रखती थीं।

उनकी वाणी में सरस्वती का वास था। मेरी उनसे दीवाली के दिन बात हुई थी। उनका अगले दो माह का कार्यक्रम तय था। 27 अक्टूबर से उनका जयपुर उनका कार्यक्रम था। उसके बाद उनका पूना में भी कार्यक्रम तय था। बनारस उनके तन मन, वाणी और कर्म में बसता था। वह हमेशा कहती थीं कि बनारस की इस कला को जिंदा रखो।

यादव सिंह को ईडी मामले में एससी से मिली जमानत, अभी जेल में ही रहेंगे

लखनऊ. नोएडा टेंडर घोटाला के मुख्य आरोपी चीफ इंजीनियर रहे यादव सिंह को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। जमानत मिलने के बाद भी यादव सिंह जेल में ही रहेगा, क्योंकि उसपर अन्य कई मामले दर्ज हैं। यादव सिंह पर नोएडा अथॉरिटी में हजारों करोड़ के घोटाले का आरोप है।

ईडी ने दाखिल नहीं किया आरोप पत्र

- बुधवार को यादव सिंह को ईडी मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। ईडी ने समय पर आरोपपत्र दाखिल नहीं किया था।

- बता दें, ईडी को 60 दिनों में आरोप पत्र दाखिल कर करना था। 8 अक्टूबर 2015 को ईडी ने लखनऊ की विशेष कोर्ट में यादव सिंह के खिलाफ मनी लॉन्ड ?िंग का केस दर्ज कराया था।

यादव सिंह पर क ?या है आरोप ?

- नोएडा, ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के ठेकों में भ्रष्टाचार के साथ-साथ यादव सिंह पर कई सौ करोड़ रुपए की अवैध नामी-बेनामी संपत्ति बनाने का आरोप है।

- दरअसल, सीबीआई ने अपने आरोप पत्र में यादव सिंह पर तीन कंपनियों तिरुपति केंस्ट्रक्शन, एनकेजी केंस्ट्रक्शन, जेएसपी प्रोजेक्टस को 19.42 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया था।

- प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी जांच में सीबीआई के आरोपों को सही पाया और तीनों कंपनियों की 19.42 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली।

- उनमें एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर के 4.52 करोड़, तिरुपति केंस्ट्रक्शन के 5.11 करोड़ और जेएसपी प्रोजेक्ट्स के 9.79 करोड़ रुपए शामिल हैं।

100 फीट के रथ पर सवार होकर निकले भगवान जगन्नाथ, 10 हजार भक्त शामिल

मथुरा.यूपी के मथुरा में बुधवार को इस्कॉन वृन्दावन द्वारा शहर में जगन्नाथ रथयात्रा निकाली गई। शहर के छटीकरा मार्ग से शुरू हुई यात्रा कई प्रमुख मार्गों से होती हुई निकाली जा रही है। रथयात्रा का समापन इस्कॉन मंदिर पर होगा। इस यात्रा में देश विदेश के 10 हजार भक्त भाग ले रहें हैं।

तीसरी जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली गई। कार्तिक महीने में पहली बार निकली इस यात्रा में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम जी 100 फीट के रथ पर विराजमान हैं।

हैवानियत: सीतापुर में पिता ने तीन मासूम बेटियों को चलती ट्रेन से फेंका, एक की मौत

सीतापुर। बेरहम पिता ने तीन मासूम बेटियों को चलती ट्रेन से फेंक दिया। एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि दो मासूमों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक बच्ची रामकोट थाने के गौरा गांव के पास, दूसरी इसी थाना क्षेत्र के भवानीपुर के पास बेहोश मिली, जबकि तीसरी बच्ची का शव मानपुर थाना क्षेत्र के रमईपुर हाल्ट के करीब पाया गया। सीओ सिटी योगेंद्र सिंह ने बताया कि मोतिहारी के एसपी से संपर्क साधा गया है। बच्चियों के बताए अनुसार उसके परिजनों की खोजबीन की जा रही है। जीआरपी एसओ को केस दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग चार बजे अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही ट्रेन अमृतसर-सहरसा जनसेवा एक्सप्रेस से तीन मासूम बच्चियों को उसके पिता ने ही फेंक दिया। सुबह लगभग साढ़े सात बजे जिले के रामकोट थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव के पास टहलने निकले दिनेश मिश्रा ने एक बच्ची को रेल पटरी के किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा देखा। बेहोश बच्ची को पानी के छींटे मारकर होश में लाया गया। होश में आने पर आठ साल की अल्बुन खातून ने कुछ दूर पहले छोटी बहन को भी फेंके जाने की जानकारी दी। दिनेश ने यूपी डायल 100 के साथ 108 एम्बुलेंस को इसकी सूचना दी और अन्य ग्रामीणों को लेकर दूसरी बच्ची की खोज में जुट गए। लगभग एक किलोमीटर दूर दूसरी बच्ची बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। तब तक एम्बुलेंस भी पहुंच चुकी थी। एम्बुलेंस से घायल बच्चियों को जिला अस्पताल लाया गया जहां दोनों का उपचार चल रहा है।

मोतिहारी के हैं रहने वाले:

अस्पताल में होश आने पर पिता की बेरहमी का शिकार हुई आठ साल की अल्बुन खातून ने बताया कि बिहार के मोतिहारी जिले के गांव छोड़िया निवासी अपने पिता इद्रु व मां अबलीना खातून के साथ ट्रेन से जा रही थी। सुबह के समय उसकी मां अबलीना खातून गहरी नींद में सो गईं। इसी दौरान उसके पिता उसकी छह वर्षीय बहन सलीना खातून को गेट के पास लेकर पहुंचे और चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया। इसके बाद उसे भी गेट के पास ले गए और फेंक दिया।

झाड़ियों में मिली तीसरी लाश:

दूसरी ओर, दोपहर बाद लगभग तीन बजे मानपुर थाना क्षेत्र के रमईपुर हाल्ट के करीब ग्रामीणों ने झाड़ियों में बच्ची का शव देखकर पुलिस और जीआरपी को सूचना दी। जानकारी पुलिस अधीक्षक मृगेन्द्र सिंह तक पहुंची तो उन्होंने सीओ सिटी योगेन्द्र सिंह से शव की शिनाख्त अस्पताल में भर्ती बच्चियों से कराने की सलाह दी। सीओ सिटी स्वयं घटनास्थल पर गए और बच्ची के शव को जिला अस्पताल में भर्ती अल्बुन खातून को दिखाया।

बिहार

नेपाल को बिजली देने के लिए बिहार बनाएगा वैकल्पिक ग्रिड

पटना.नेपाल को बिजली देने के लिए बिहार में वैकल्पिक ग्रिड बनेगा। इस लाइन से नेपाल को बिजली दी जा सकेगी और जरुरत पड़ने पर वहां से बिजली ली भी जा सकेगी। ग्रिड कटैया ग्रिड से ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से जुड़ा होगा।

कटैया पावर हाउस से नेपाल के सुनसरी के कुसहा तक 16.5 किलोमीटर नया ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण हुआ है। नेपाल की भविष्य की जरुरतों और आपात स्थिति के मद्देनजर इस लाइन के निर्माण की मंजूरी दी गई है। इस ग्रिड की क्षमता 400 केवीए की होगी और इसके निर्माण पर 75 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यहां से नेपाल को फिलहाल 100 मेगावाट बिजली दी जाएगी।

नेपाल में चीन की बढ़ती दिलचस्पी के बाद भारत ने अपनी ओर से पावर सेक्टर में नई पहल की है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल की पीएम शेरबहादुर देउबा के बीच पावर सेक्टर में कई समझौते हुए। इनमें नेपाल को बिजली देने का निर्णय भी शामिल है। इस समय नेपाल को बिहार के माध्यम से 160 मेगावाट बिजली दी जाती है। शीघ्र ही नेपाल को 250 मेगावाट से अधिक बिजली की आपूर्ति हो सकेगी।

नेपाल के लिए दो ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण किया गया है। इनमें 132 केवी क्षमता का कटैया- कुशहा और इतनी ही क्षमता के रक्सौल- परवानीपुर ट्रांसमिशन शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इसका उद्घाटन किया था। ट्रांसमिशन लाइन के बाद ग्रिड की जरुरत महसूस की गई। इस समय नेपाल को बिजली देने के लिए पर्याप्त ग्रिड हैं, लेकिन भविष्य में और ग्रिड की जरुरत पड़ सकती है। इसीलिए सुपौल जिले का चयन किया गया।

'नेपाल को अतिरिक्त बिजली देने के लिए 400 केवीए क्षमता के ग्रिड के निर्माण का निर्णय लिया गया है।

राजद विधायक मुंद्रिका सिंह यादव नहीं रहे, कल हुआ था ब्रेन हैमरेज

जहानाबाद। राजद के प्रधान महासचिव सह जहानाबाद विधायक मुंद्रिका सिंह यादव नहीं रहे। मंगलवार की शाम तकरीबन पांच बजे उन्होंने पटना के पारस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे पत्नी, चार पुत्र, एक पुत्री समेत भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके पुत्र सुदय यादव ने बताया कि चार दिन पहले से वह डेंगू से पीड़ित थे। सोमवार को वह घर में अचानक गिर पड़े। उन्हें गंभीर अवस्था में पटना स्थित आईजीआईएमएस में भर्ती कराया गया। स्थिति बिगड़ती देख बेहतर इलाज के लिए उन्हें पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया। ब्रेन हेमरेज होने के कारण उनकी स्थिति गंभीर बनी थी। उनका प्लेटलेट्स काफी नीचे आ गया था। शुगर भी बढ़ा हुआ था।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में चल रहे इलाज के बाद प्लेटलेट्स भी बढ़ा था। संभावना जतायी जा रही थी कि उनकी स्थिति में सुधार हो जाएगी। लेकिन, मंगलवार की शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। जानकारी के अनुसार उनके पार्थिव शरीर को जहानाबाद लाने की तैयारी चल रही है। वे नौकरी छोड़ राजनीति में कदम रखे थे। समाजवादी नेता जगदेव प्रसाद के साथ भी उन्होंने काम किया था।

श्री यादव वर्ष 1990 में पहली बार जनता दल के टिकट पर कुर्था विधानसभा से चुनाव लड़े और जीतकर विधायक बने थे। लालू प्रसाद की सरकार में वे स्वास्थ्य राज्यमंत्री बने थे। वे दूसरी बार वर्ष 1995 में जहानाबाद से विधायक चुने गए। तीसरी बार वे वर्ष 2000 में जदयू के टिकट पर कुर्था से चुनाव लड़े। लेकिन, विधानसभा का सफर तय नहीं कर सके। बाद के दिनों में वे राजद में लौटे तो वर्ष 2004 में लालू प्रसाद ने उन्हें विधान परिषद का सदस्य बनाया। इस दौरान वह आवास बोर्ड के चेयरमेन भी रहे। उनकी संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए लालू प्रसाद ने उन्हें राजद का प्रधान महासचिव बनाया।

भागलपुर में छठ पूजा के लिए लोगों ने की बराड़ी पुल घाट की सफाई

भागलपुर। आपके अपने अखबार हिंदुस्तान के आह्वान पर घाट सफाई अभियान का हिस्सा बनने के लिए स्थानीय पूजा समिति, नगर निगम, सामाजिक संगठन सुबह सात बजे से ही घाट पर जुटने लगे थे।

आठ बजते-बजते बराड़ी पुल घाट पर लोगों ने झाड़ू, कुदाल और डलिया से कचरा उठाने का काम शुरू कर दिया। सामने मिट्टी और पूजन सामग्री से पटा दस सीढ़ियों की सफाई हुई। साथ ही गंगा में तैर रहे विभिन्न पूजन सामग्री को भी निकालकर लोगों ने किनारे किया। घाट सफाई अभियान की शुरुआत गंगा से जुड़े जटाशंकर मिश्रा और विष्णु खेतान ने किया। इसके बाद देखते-देखते विभिन्न सामाजिक संगठन से आए लोग सफाई में जुट गए। पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी घाट पर आकर कुदाल से कचरे की सफाई की। साथ ही कचरा को घाट से दूर भी फेंका।

एसएसपी मनोज कुमार और उनकी पत्नी चेतना सिंह त्रिपाठी ने भी बराड़ी पुल घाट पर आकर अपना श्रम दान दिया। उन्होंने खुद से कचरा उठाकर बर्तन में रखा और फिर उसे घाट के किनारे किया। मौके पर आए एसएसपी ने लोगों से आह्वान भी किया कि हर हाल में गंगा घाट की सफाई में अपनी भूमिका जरूर दें।

स्थानीय पूजा समिति श्रीश्री 108 छठ पूजा समिति पुल घाट की ओर से अध्यक्ष नवीन सिंह, बमबम मिश्रा, काशीकांत सिंह वार्ड नंबर 29 के नीतीश कुमार और उनकी टीम ने बराड़ी पुल घाट पर पानी डालकर पूरी सीढ़ी की सफाई की। हिंदुस्तान घाट सफाई अभियान में हिंदुस्तान के कर्मियों के साथ मिलकर महबूब आलम, कपिल देव कुमार, डॉ. प्रीति शेखर, सुमन सोनी, माला सिंह, जिया गोस्वामी, श्रवण बाजोरिया, आशीष सर्राफ, रमण कर्ण, प्रेमनाथ ओझा, विमल कुमार सिंह, विनय झा गांधी, राकेश रंजन केसरी, पूनम झा उर्फ गुड्डी, पंकज कुमार, कन्हैया लाल, सुजीत झा, रामगोपाल पोद्दार, पुरुषोत्तम सिंह सहित गंगा में स्नान करने आए लोगों ने भी हिंदुस्तान के साथ इस अभियान में अपना श्रमदान किया।

युवाओं ने गंगा से निकाला कचरा, पानी भी हुआ साफ

हिन्दुस्तान के आह्वान पर घाट सफाई करने पहुंचे युवाओं ने न सिर्फ घाटों की सफाई की। बल्कि में गंगा में तैर रहे कचरे को भी पानी से बाहर निकाला।

गंगा समग्र के जिला संयोजक महादेव रजक और उनकी टीम ने मिलकर घाट से लेकर गंगा के अंदर में फेंके गए कचरे को भी बाहर निकाला। इसके लिए लगातार उनकी टीम ने घंटों मशक्कत कर गंगा के अंदर से कचरा बाहर निकाल दिया।

मां के प्रेमी ने बच्चे को अगवा कर मार डाला, शव को नदी में फेंका

छपरा.प्रेमी से प्रेमिका ने ब्रेकअप कर दिया तो नाराज प्रेमी ने अपनी प्रेमिका के पांच साल के बेटे को अगवा कर मार डाला। प्रेमी अनिल चौधरी ने हत्या के बाद बच्चे के शव को सरयू नदी में फेंक दिया। घटना सारण जिले के रिविलगंज थाना क्षेत्र के सिताब दियारा की है। पुलिस ने अपहरण और हत्या के आरोपी अनिल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। 23 अक्टूबर को की थी हत्या...

थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि बच्चे की पिता की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई और आरोपी अनिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि बच्चे का शव बरामद नहीं हो सका है। शव की तलाश की जा रही है। अनिल ने स्वीकार किया है कि 23 अक्टूबर को उसने बच्चे का अपहरण किया था और उसी दिन बच्चे की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद बच्चे के शव को अपने गांव के सामने सरयू नदी में फेंक दिया। पुलिस शव बरामद करने के लिए प्रयास कर रही है।

बच्चे की मां के साथ था प्रेम संबंध

थानाध्यक्ष संतोष ने बताया कि बच्चे की मां के साथ अनिल का प्रेम प्रसंग चल रहा था । प्रेम प्रसंग की जानकारी महिला के पति को हो गई। इस वजह से महिला ने अपने प्रेमी से संबंध तोड़ लिया, जिससे नाराज होकर अनिल इस घटना को अंजाम दिया। रिविलगंज थाना क्षेत्र के सिताब दियारा के 5 साल के आदर्श कुमार का अपहरण 23 अक्टूबर को किया गया था। अपहरण की प्राथमिकी 24 अक्टूबर को उसके पिता राज कुमार चौधरी ने दर्ज कराई थी।

सावधान: दहेज लेने वाले होंगे सरकारी नौकरी से बर्खास्त

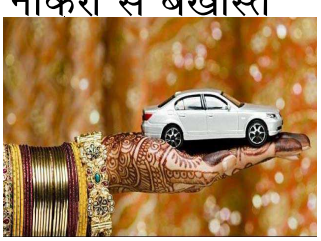

पटना। गर सरकारी नौकरी में आ गए हैं और विवाह के दौरान दहेज लिया तो नौकरी से तुरंत बर्खास्त कर दिए जाएंगे। राज्य सरकार दहेजबंदी और बाल विवाह पर रोक लगाने को लेकर सख्ती करने जा रही है। राज्य सरकार की सेवा में प्रवेश पाने वाले सभी कर्मियों को पहले ही शपथ पत्र देना होता है कि वे दहेज मुक्त विवाह करेंगे। किंतु अब तक इस पर कोई सख्ती नहीं होती थी।

विभागों एवं जिलों को दिया जाएगा निर्देश

दहेजबंदी और बाल विवाह निषेध को लेकर नोडल एजेंसी महिला विकास निगम द्वारा इस संबंध में सभी विभागों एवं जिला प्रशासन को पत्र लिखकर निर्देश दिया जाएगा कि वे सरकारी सेवा में आने वाले कर्मियों से शपथ पत्र लेने के साथ इस पर सख्त नजर रखें।

दहेजबंदी को लेकर अन्य प्रावधान भी होंगे

सूत्रों ने बताया दहेजबंदी व बाल विवाह निषेध को लेकर अन्य प्रकार के प्रावधान भी लागू किए जाएंगे। इनमें विवाह भवन द्वारा विवाह पूर्व दहेज नहीं लेने और देने तथा बाल विवाह नहीं करने संबंधी शपथ पत्र लिया जाएगा। अगर कोई पंडित या मौलवी या धर्मगुरु बाल विवाह कराएंगे तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

वार: लालू की संपत्ती बचाने के लिए रैली की जा रही है-संजय सिंह

पटना। जदयू के मुख्य प्रवक्ता सह विधान पार्षद संजय सिंह ने कहा है कि रैली लोकहित के मुद्दे उठाने के लिए की जाती है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपनी जिम्मेदारियों से विपक्ष भाग रहा है। उन्होंने कहा कि राजद द्वारा लालू प्रसाद की सम्पति को छुपाने के लिए रैली की जा रही है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि लालू-राबड़ी शासनकाल में 2003 से ही हो रहे सृजन घोटाले की कलई नीटबंदी की वजह से खुलने लगी। जैसे ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घोटाले की भनक लगी जांच का आदेश दे दिया और फिर सीबीआई जांच की अनुशंसा कर दी। अब सीबीआई जांच की रिपोर्ट आने तक इसपर राजनीति कर आरजेडी के लोग अपनी ही भद पिटवाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि इनकी

रैली में महज दिखावा होने वाला है आम लोगों के लिए इस रैली में कुछ नहीं है। श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति से पूरा सूबा वाकिफ है। उन्होंने तो भ्रष्टाचार पर समझौता करने के बजाय इस्तीफा दे दिया था।

क्रांति समय

खरना के बाद शुरू हुआ छठ ब्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास

सूरत। बिहार सहित उत्तर भारत का सबसे महत्वपूर्ण लोक पर्व छठ की शुरूआत मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया। बुधवार को ब्रतियों ने खरना करने के पश्चात 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू कर दिया। जिसका पारणा शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद करेंगे। शहर में बसे बिहार सहित समस्त उत्तर भारत के लाखों श्रद्धालुओं ने तापी नदी के विविध घाटों सहित शहर के अलग-अलग क्षेत्रों के तालाबों पर छठ ब्रत के लिए घाट तैयार कर दिए हैं। शहर के पारले प्वाईट क्षेत्र स्थित राधा कृष्ण मंदिर के पीछे तापी नदी के तट पर तथा नानपुरा स्थित तापी नदी के तट नावडी ओवारा में छठ पूजा की तैयारी करते श्रद्धालु।

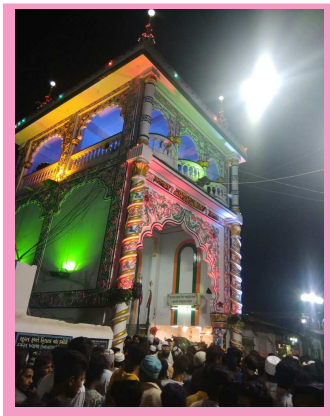

सूरत के शहंशाह ख्वाजा दाना साहेब का 423वां उर्स शान शौकत से सम्पन्न

सूरत। हजरत सैयद सैयदुस्सालेकीन शमसूल आरेफिन, सैयद जमालुद्दीन दाना नक्शबंदी रहमतुल्लाहे अलयहे का संदल शरीफ 3 और 4 मंगवार 24 अक्टूबर तथा बुधवार 25 अक्टूबर को बडेखा चकला, सूरत में बड़े ही शान शौकत से मनाया गया।

सैयद मीर इब्राहिम बावजान उर्फ कमर बावा व विरादरे सजजादा नशीन सैयद मीर जलालुद्दीन उर्फ काजी साहेब, खादिमे खवाजा हाजी सैयद मीर सिराजुद्दीन उर्फ मुन्ना बापू साहेब दरगाह के पीछे तीन रोजा आम लंगर का आयोजन मस्तान बावा की ओर से किया गया।

लिम्बायत में पति ने की पत्नी की हत्या

सूरत। लिम्बायत के गोडादरा स्थित पटेलनगर निवासी एक विवाहिता की उसके ही पति ने गाला गोटकर हत्या करने से सनसनी फेलगई है । विवाहिता की हत्या और किसी ने नही उसके ही पति ने की थी इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है । पुलिस सूत्रों के अनुसार लिम्बायत के गोडादरा स्थित पटेलनगर निवासी विनोद कुमार जोगेश्वरप्रसाद मौर्या 30 नोकरी कर परिवार का गुजारा करते है । रविवार के रोज विनोद कुमार की पत्नी विमलादेवी धर में अकेली थी इसी दौरान अनजान हमलावर ने धर में प्रवेश कर हत्या कर फरार हो गया । मामले की सूचना मिलते ही लिम्बायत थाना प्रभारी वी वी ओडेदरा सहित पुलिस काफिला मोके पर पहुंच कर स्थल का मुआयना कर थाने के पीएसआई बी एन मोढवाडिया नर सरकार की ओर से फरियादी बानकर अनजान हत्यारे के खिलाफ मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

सूरत। गुजरात विधान सभा चुनाव की तारीख की घोषणा होते ही बुधवार को चुनाव आचार संहिता लागु हो गया। आचार संहिता लागु होते ही महानगर पालिका सहित सभी निकायों के पदाधिकारियों के वाहनो से उनके नेम प्लेट हटा दिए गए चित्र में नेम प्लेट हटाता मनपा का कर्मचारी।

उमरा में 72 हजार की लूट

सूरत। वेसु के सोमेश्वर एन्क्लेव सोसायटी के पास से गुजर रही बुजुर्ग महिला को बाइक्स गिरोह ने निशाने बानाकर गलेमें जपता मारकर 72 हजार की सोने की चेन की लूट कर फरार हो गए होने का मामला संबंधित थाने में दर्ज हुआ है । उमरा पुलिस के अनुसार वेसु के बनवारी रेसिडेंसी निवासी बरवंत भाई हीरालाल मोदी 72 निवृत्त है ।बरवंत भाई की बुजुर्ग पत्नी पदमा बहन रविवार की सुबह वेसु के सोमेश्वर एन्क्लेव सोसायटी के पास से गुजर रही थी इसी दौरान पीछे से एक बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने पदमाबहन को निशाना बानाकर गले मे जपता मारकर 72 हजार की सोने की चेन की लूट चलाकर फरार हो गए । हादसे के चलते उमरा पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर बाइक्स गिरोह के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है ।

सूरत। दिपावली की पूजा के पश्चात बंद व्यापारीक प्रतिष्ठानों में बुधवार को लाभ पाचम पर नये साल का मूहर्त किया गया। इस अवसर पर व्यापारियो ने विधि विधान से पूजन कर व्यापारिक गतिविधिया शुरु की।

डीसीबी ने तमंचा के साथ परप्रांतिय युवक को दबोचा

सूरत। शहर क्राइम ब्रांच के पुलिस कर्मियों को सूचना मिलने पर बमरौलीगाव स्थित सुखी नगर के पास से परप्रांतिय युवक को तमंचा के साथ गिरफ्तार किया । पुलिस ने आरोपी के पास से तमंचा व कारतूस सहित 5 हजार 100 रुपए का मुद्दामाल जब्त किया है क्राइम ब्रांच के अनुसार स्टाफ के पुलिस कर्मियों को सूचना मिली थी कि एक परप्रांतिय युवक बमरौलीगाव स्थित सुखिनगर के पास देशी हाथ बनावत का तमंचा लेकर गुम रहा है ।

सूरत। नानपुरा जैन संघ में ज्ञान पंचमी के अवसर पर विशेष पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जहां बड़े बुजुर्गों ने धार्मिक व अध्यात्मिक पुस्तकों का पूजन किया, वहीं विद्यार्थियों में अपनी पाठ्य पुस्तकों की पूजा कर ईश्वर से अज्ञानता को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाने की प्रार्थना की।

गुटखा के गोदाम में 61.48 लाख की चोरी

सूरत। पुनागाव कर सारोली रोड स्थित रोयल टाउनशिप के एक गुटखा के गोदाम को अनजान चोर उचकको ने निशाना बनाकर 61 लाख 48 हजार की कीमत के रजनीगंधा पान मसाला के 240 नग कार्टून चुराकर फरार हो गए होने का मामला सामने आया है । ट्रक लेकर चोरी करने आये बदमाशोने गोदाम की दिवार में सेंध लगा कर अंदर प्रवेश कर चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए । भावेश जयंतीलाल बारैया 40 गुटखा के व्यापारी है ।

अधेड़ के जेब से 24 हजार का मोबाइल फोन चोरी

सूरत। भटार के रवि शंकर संकुल स्थित सत्य एपरमेन्ट निवासी एक अधेड़ के जेब से रिक्शा चालक गिरोह ने 24 हजार का मोबाइल फोन चुरा लिया होने का मामला सामने आया है।

उमरा पुलिस के अनुसार भटार के रवि शंकर संकुल स्थित सत्य एपरमेन्ट निवासी जनोज भाई थोभनभाई परमार 56 नोकरी कर परिवार का गुजारा करते है । 13 अक्टूबर की शाम जनोज भाई थोदादौड रोड स्थित पांजरापोर बस स्टैंड के पास से ओटो रिक्शा में मुसाफरी कर रहे थे । ओटो में पहले से ही चार जने बैठे थे । इसी दौरान चालक की मदद से सह मुसाफरो ने पीड़ित के जेब से 24 हजार का मोबाइल फोन चुराकर उन्हें बीच रास्ते मे उतार कर फरार हो गए । हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर उमरा पुलिस ने रिक्शा चालक गिरोह के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है।

सूरत। लाभ पाचम पर बुधवार से कपड़ा बाजार में व्यापारिक गतिविधियां शुरू हो गई। लाभ पाचम पर कई ट्रांसपोर्टरों ने माल की डिलिवरी भी की।

जुआरियो पर पुलिस की गाज : 16 जुआरी गिरफ्तार

सूरत। शहर की डुमस व एसओजी पुलिस ने अलग अलग दो ठिकानो पर चलरही जुए की कलब पर छापा मारकर जुआ खेल रहे 16 जने को गिरफ्तार किया । पुलिस ने मौके पर से नगद ,मोबाइल फोन सहित 2 लाख 42 हजार मुद्दामाल जब्त किया । पुलिस सूत्रों के अनुसार डुमस पुलिस थाने के पुलिस कर्मियों को सूचना मिली थी कि डुमस एरपोर्ट के निकट महाकाली मंदिर स्थित खुली जगह में सात से आठ व्यकि जुआ खेल रहे है । सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर छापा मारकर जुआ खेल रहे अंकित भरत भाई पटेल, अंकुर भरत भाई पटेल,चिंतन विनोद भाई पटेल,शुशांत कनैया भाई पटेल,केतन चंदूलाल पटेल ,मुकेश बालू भाई पटेल सहित आठ जुआरियों को गिरफ्तार किया । पुलिस ने मौके पर से नगद व मोबाइल फोन सहित 2 लाख 10 हजार का मुद्दामाल जब्त किया । वही एसओजी पुलिस को सूचना मिलने पर लिम्बायत थाना क्षेत्र के पर्वत गाव स्थित प्रियंका सीटी लाइट सोसायटी में चल रही जुए की कलब पर छापा मारकर जुआ खेल रहे सुशील सींग सुरेन्द्र सींग राजपूत,विक्रांतसिंह जयदेवसिह राजपूत, संतोष सींग मान सींग राजपूत, दीपुसिह महावीर सिंह राजपूत सहित आठ जुआरियों को गिरफ्तार किया । पुलिस ने मौके पर से नगद सहित 33 हजार का मुद्दामाल जब्त किया ।

ड्राइवर डम्फर के 60 हजार के टायर चुराकर फरार

सूरत। हजीरा रोड स्थित ओएनजीसी चार रास्ता स्थित कृभको रेलवे फाटक ओवरब्रिज स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी का ड्राइवर 60 हजार की कीमत के चार नग टायर चुराकर फरार हो गया होने का मामला सामने आया है ।

एस टी बस की चपेट में दो जने धायल

सूरत। इच्छापोर स्थित बस स्टैंड के पास से बाइक लेकर गुजर रहे दो युवकों एसटी बस के चालक ने चपेट में लेकर मोके पर बस छोड़कर फरार हो गए । हादसे में घायल दोनो युवको उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया । इच्छापोर पुलिस के अनुसार चोयासी तहसील के भाटपोर गाव स्थित राखल नगर कोलोनी निवासी आनद कुमार शंकर भाई राठौड़ 22 नोकरी कर परिवार का गुजारा करता है । 21 अक्टूबर की शाम आनंद कुमार अपने मित्र अजय के साथ बाइक पर गुमने निकला था ।

सूरत। ज्ञान पाचम पर ज्ञान पर आधारित चित्र प्रदर्शनी को निहारते वाड़ी उपाश्रय, रत्नसागर के निकट गोपीपुरा में श्रद्धालु।

पतंजलि का स्टोर खोलने के चक्कर मे अधेड ने गवाये 2 लाख रुपए

सूरत। वेसु के रत्नअंश एपरमेन्ट निवासी एक जमीन दलाल के साथ 2 लाख की धोखाधड़ी हुई होने का मामला सामने आया है । बाबारामदेव पतंजलि उत्पादन फेंचाइजी लेकर पतंजलि मेगा स्टोर खोलने के लिए ऑनलाइन वेबसाइट के चक्कर मे आकर पीड़ित ने र लाख रुपए गवा दिए । उमरा पुलिस के अनुसार वेसु के रत्नअंश एपरमेन्ट निवासी दामोदर प्रसाद टोरमल पोदार 65 जमीन दलाल है । थोड़े समय पूर्व बाबारामदेव पतंजलि उत्पादन फेंचाइजी लेकर पतंजलि मेगा स्टोर शरू करने के लिए पीड़ित ने ऑनलाइन वेबसाइट खोलने पर पतंजलि आर्युवेद लिमिटेड नामक साइड खोली थी जिसमें मिले फॉर्म में पीड़ित ने अपना नाम पता तथा इमेल आइडी व फोन नंबर सहित कई जरूरी चीजें भरकर ऑनलाइन सबमिट कर दिया था । उसके बाद पीड़ित ने टोल फ्री नबर पर फोन करने पर सामने से अनजान युवक ने पतंजलि में आपका स्वागत है बताने के बाद ठगों ने पीड़ित के पास 2 लाख रुपए एकाउन्ट में जमा करवाने के बाद भी अधिक 4 लाख लाख रुपए की मांग कर रहे थे । उसके बाद पीड़ित ने अपनी तरह है जांच की तो ठगो ने पीड़ित के पास छल कपट से 2 लाख रुपए एथ लिए । हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर उमरा पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेशे के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तामीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com